

राजस्थान सरकार



## \* रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र \*

क्रमांक ..... 243/ अलवर, 2003-2004

यह प्रमाणित किया जाता है कि

राजेश्वर सोनी

राजेश्वर सोनी को-ऑपरेटिव जिला अलवर का राजस्थान

संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 (राजस्थान अधिनियम नं० 28, 1958) के अन्तर्गत  
रजिस्ट्रीकरण आज किया गया।

यह प्रमाण-पत्र मेरे हस्ताक्षरों और कार्यालय की सील से आज दिनांक

3/11/03

माह फरवरी सन् 2003-2004 को अलवर में दिया गया।

राजेश्वर सोनी  
रजिस्ट्रार संस्थायें  
अलवर

संघ विधान-पत्र

- 1. संस्था का नाम:- इस संस्था का नाम राजस्थान में महिला समिति है।
- 2. पंजीकृत कार्यालय तथा कार्यक्षेत्र:- इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय राजस्थान में महिला समिति है।  
तथा इसका कार्यक्षेत्र राजस्थान क्षेत्र तक सीमित होगा।
- 3. संस्था के उद्देश्य:- इस संस्था का निम्नलिखित उद्देश्य:-

- 1. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 2. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 3. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 4. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 5. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 6. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 7. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 8. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 9. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- 10. ग्रामीण महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाना।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में कोई लाभ निहित नहीं होगा।

Naresh  
अध्यक्ष

[Signature]  
मन्त्री

Ramkishan  
कोषाध्यक्ष

- 1. संस्था का पंजीकृत क्रमांक 21/31 अक्टूबर 2007
- 2. संस्था का नाम राजस्थान में महिला समिति
- 3. किसमें दर्ज है राजस्थान
- 4. दस्तावेजों का संख्या 71
- 5. पंजीकृत दिनांक 15-11-07
- 6. हस्ताक्षर की तारीख 15-11-07

राजस्थान (राजस्थान)

राजस्थान संस्था

4. संस्था का कार्यभार संस्था के नियमानुसार एक कार्यकारिणी समिति को सौंपा गया है, जिसके प्रथम कर्तव्य पदाधिकारी निम्न हैं:-

क्र. सं.	नाम व पिता का नाम	व्यवसाय	पूर्ण पता	पद
1.	श्री. जयप्रकाश शर्मा/श्री. राम	अध्यक्ष	V.P.O. कोटकासिम	पद
2.	श्री. जयप्रकाश शर्मा/श्री. राम	उप-अध्यक्ष	V. कोटकासिम P.O. जोड़िया T.P. कोटकासिम	उप-अध्यक्ष
3.	श्री. रामेश्वर शर्मा/श्री. राम	अध्यक्ष	श्री. रामेश्वर शर्मा वडरोड रोड	अध्यक्ष
4.	श्री. रामेश्वर शर्मा/श्री. राम	अध्यक्ष	V.P.O. - कोटकासिम कोटकासिम रोड	अध्यक्ष
5.	श्री. रामेश्वर शर्मा/श्री. राम	अध्यक्ष	श्री. रामेश्वर शर्मा वडरोड रोड	अध्यक्ष
6.	श्री. रामेश्वर शर्मा/श्री. राम	अध्यक्ष	V.P.O. कोटकासिम कोटकासिम रोड	अध्यक्ष
7.	श्री. रामेश्वर शर्मा/श्री. राम	अध्यक्ष	V.P.O. कोटकासिम कोटकासिम रोड	अध्यक्ष

*[Signature]*  
अध्यक्ष

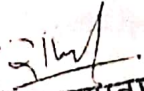
*[Signature]*  
मन्त्री

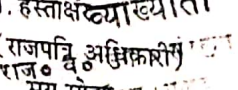
*[Signature]*  
कोषाध्यक्ष


हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता, जिसके नाम, व्यवसाय व पूर्ण पते निम्न प्रकार हैं, इस संघ निधान पर के अन्तर्गत इस संस्था के रूप में गणित होने व इस संस्था के कामकाज में इच्छुक हैं:-

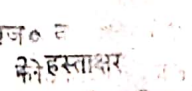
क्र.सं.	नाम व पिता का नाम	व्यवसाय	पूर्ण पता	पता
	श्री जयपाल सिंह श. श्री राम चंद्र	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री जयपाल
	श्री रघुवीर सिंह श. श्री राम चंद्र	कृषि कार्य	पुराना जम डौल (कालिका)	श. श्री रघुवीर
	श्री ओम प्रकाश श. श्री राम चंद्र	दुकानदार	V.P.O कोट कालिका	श. श्री ओम प्रकाश
	श्री सोमनाथ श. श्री भूप सिंह	अरथापन	V.P.O कोट कालिका	श. श्री सोमनाथ
	श्री रोशन लाल श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री रोशन लाल
	श्री कजल श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री कजल
	श्री राम रघु श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री राम रघु
	श्री सुरेश श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री सुरेश
	श्री लक्ष्मी श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री लक्ष्मी
	श्री शिव श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री शिव
	श्री राज श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री राज
	श्री सुरेश श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री सुरेश
	श्री राजेश श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री राजेश
	श्री राम श. श्री राम	उद्योगिक	V.P.O कोट कालिका	श. श्री राम


हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता प्रमाणित करते हैं कि उपरोक्त हस्ताक्षरकर्ताओं को हम जानते हैं व उन्होंने हमारे सामने अपने-अपने हस्ताक्षर किये हैं। हम यह भी घोषित करते हैं कि हम संस्था के सदस्य नहीं हैं।

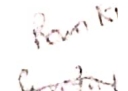
(साक्षी) 

1. हस्ताक्षरकार्यवाह  
 (राजपत्र अधिकारी)   
 मय मोहर

(साक्षी) 

राज. व.   
 को हस्ताक्षर  
 (राजपत्र अधिकारी)  
 मय मोहर

  
 मन्त्री

  
 कोषाध्यक्ष

विधान (नियमावली)

1. संस्था का नाम:- इस संस्था का नाम राज्य सरकार में माध्यमिक शिक्षण के विभाग में माध्यमिक शिक्षण के विभाग में माध्यमिक शिक्षण के विभाग में समिति/सोसाइटी/संस्थान/संस्था है व रहेगा।
2. पंजीकृत कार्यालय तथा कार्यक्षेत्र:- इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय राज्य सरकार में माध्यमिक शिक्षण के विभाग में जिला राजपुर चोखी रोड कोटकासिख है।  
तथा इसका कार्यक्षेत्र जिला राजपुर क्षेत्र तक सीमित होगा।
3. संस्था के उद्देश्य:- इस संस्था का निम्नलिखित उद्देश्य:-

1. शैक्षणिक बालक बालिकाओं के शैक्षणिक विकास के लिए प्रचार-प्रसार करना।
2. शैक्षणिक बालक बालिकाओं का सर्वांगीण विकास करना एवं शिक्षा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. बालक बालिकाओं के विकास हेतु पुस्तकालय चालानलय निर्माण व प्रारंभ करना।
4. क्षेत्र में जारी चलते व चलनेवाले प्रति नागरिकों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
5. क्षेत्र में साक्षरता, पर्यावरण व सामाजिक प्रति प्रचार-प्रसार करना व चलते चलने करने।
6. बालक बालिकाओं की खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न करना व प्रोत्साहन हेतु चालानलय बनाना।
7. विना भेदभाव के सभी वर्गों के विद्यार्थियों को प्रवेश देना व पिछड़े वर्गों को विशेष वेतन देना।
8. राज्य के अल्पसंख्यक वर्गों को प्रति में सहभागिता करना।
9. राज्य शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम को अनुसरण करना व इसके अनुसार शिक्षा देना।
10. समाज में सभी वर्गों को जो समिति के उद्देश्यों की पूर्ति में प्रथम चालानलय बनाने से।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में कोई लाभ निहित नहीं होगा।

[Signature]  
अध्यक्ष

[Signature]  
मंत्री

राज्य  
कोष

4. सदस्यता:-

निम्न योग्यता रखने वाले व्यक्ति संस्था के सदस्य बन सकते हैं:-

- 1- संस्था के कार्य क्षेत्र में निवास करते हों।
- 2- बालिग हों।
- 3- फगल, दोबालिया न हों।
- 4- संस्था के उद्देश्यों में रुचि व आस्था रखते हों।
- 5- संस्था के हित को सर्वोपरि समझते हों।

5. सदस्यों का वर्गीकरण:-

संस्था के सदस्य निम्न प्रकार वर्गीकृत होंगे।

- 1- संरक्षक
- 2- विशिष्ट
- 3- सम्माननीय
- 4- साधारण

(जो लागू न हो, उसे काट दीजिये)

6. सदस्यों द्वारा प्रदत्त शुल्क व चन्दा:-

उपनिर्णय संख्या 4 में अंकित सदस्यों द्वारा निम्न प्रकार शुल्क व चन्दा देय होगा:-

- |    |           |                  |               |
|----|-----------|------------------|---------------|
| 1- | संरक्षक   | राशि ..... 2.5/- | वार्षिक/आजीवन |
| 2- | विशिष्ट   | राशि ..... 2.5/- | वार्षिक/आजीवन |
| 3- | सम्माननीय | राशि ..... 1.5/- | वार्षिक       |
| 4- | साधारण    | राशि ..... 1.0/- | वार्षिक       |

उक्त राशि एक मुरत अथवा रू. .... की मस्रिक की दर से जमा कराई जा सकेगी।

7. सदस्यता से निष्कासन:-

संस्था के सदस्यों का निष्कासन निम्न प्रकार किया जा सकेगा।

- 1- मृत्यु होने पर
- 2- निर्वासन देने पर
- 3- संस्था के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने पर
- 4- प्रबन्धकारिणी द्वारा दोषी पाये जाने पर।

उक्त प्रकार के निष्कासन की अपील 15 दिनों के अन्दर-अन्दर लिखित में आवेदन करने पर साधारण सभा के निर्णय हेतु वैध समझी जावेगी तथा साधारण सभा के बहुमत का निर्णय अन्तम होगा।

8. साधारण सभा:-

संस्था के उपनिर्णय संख्या 5 में वर्णित समस्त प्रकार के सदस्य मिलकर साधारण सभा का निर्माण करेंगे।

9. साधारण सभा के अधिकार और कर्तव्य

साधारण सभा के निम्न अधिकार और कर्तव्य होंगे:-

- 1- प्रबन्धकारिणी का चुनाव करना।
- 2- वार्षिक बजट पास करना।
- 3- प्रबन्धकारिणी द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा करना व पुष्टि करना।
- 4- संस्था के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से विधान में संशोधन, परिवर्तन अथवा परिदर्थन करना।

(जो रजिस्ट्रार के कार्यालय में फाईल कराया जाकर प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त करने पर लागू होगा।)

10. साधारण सभा की बैठकें:-

- 1- साधारण सभा की वर्ष में एक बैठक अनिवार्य होगी लेकिन आवश्यकता पड़ने पर विशेष सभा अध्यक्ष/मन्त्री द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी।
- 2- साधारण सभा की बैठक का कोरम कुल सदस्यों का 1/3 होगा।
- 3- बैठक की सूचना 7 दिन पूर्व व अत्यावश्यक बैठक की सूचना 3 दिन पूर्व दी जावेगी।

कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः 7 दिन पश्चात निर्धारित स्थान व समय पर आहुत की जा सकेगी। ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की कोई आवश्यकता नहीं होगी लेकिन विचारणीय विषय वही होंगे जो पूर्व एजेन्डा में थे।

संस्था के 1/3 अथवा 15 सदस्य इनमें से जो भी कम हों, के लिखित आवेदन करने पर मंत्री/अध्यक्ष द्वारा 1 माह के अन्दर-अन्दर बैठक आहुत करना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में अध्यक्ष/मन्त्री द्वारा बैठक न बुलाई जाने पर उक्त 15 सदस्यों में से कोई भी 3 सदस्य नोटिस जारी कर सकेगा तथा इस प्रकार की बैठक में होने वाले समस्त निर्णय वैधानिक व सर्वमान्य होंगे।

11. कार्यकारिणी का गठन:-

संस्था के कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए एक प्रबन्धकारिणी का गठन किया जावेगा, जिसके पदाधिकारी व सदस्य निम्न प्रकार होंगे।

*Tarfaal*

(7)

Kam Kishor

- |               |                  |
|---------------|------------------|
| 1- अध्यक्ष-एक | 2- उपाध्यक्ष-एक  |
| 3- मंत्री-एक  | 4- कोषाध्यक्ष-एक |
| 3- सदस्य-सात  | 6- उपाध्यक्ष     |

(उक्त पदों के अतिरिक्त अन्य पद या पदनाम परिवर्तन किये जावें, तो यहाँ अंकित करें।  
कम रखना चाहें तो कम रख ले।)

इस कार्यकारिणी में ..... 5 ..... पदाधिकारी व  
..... 2 ..... सदस्य कुल ..... 7 ..... सदस्य होंगे।

12. कार्यकारिणी का निर्वाचन:-

- 1- संस्था की प्रबन्धकारिणी का चुनाव 2 वर्ष की अवधि के लिए साधारण सभा द्वारा किया जावेगा।
- 2- चुनाव प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष प्रणाली द्वारा किया जावेगा।
- 3- चुनाव अधिकारी की नियुक्ति प्रबन्धकारिणी द्वारा की जावेगी।

13. कार्यकारिणी के अधिकार और कर्त्तव्य

- संस्था की कार्यकारिणी के निम्नलिखित अधिकार व कर्त्तव्य होंगे:-
- 1- सदस्य बनाना/निष्काशित करना।
  - 2- वार्षिक बजट तैयार करना।
  - 3- संस्था की सम्पत्ति की सुरक्षा करना।
  - 4- वैतनिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना तथा उनके वेतन भत्तों का निर्धारण करना व सेवा मुक्त करना।
  - 5- साधारण समिति द्वारा पारित निर्णयों को क्रियान्वित करना।
  - 6- कार्य व्यवस्था हेतु उप समितियां बनाना।
  - 7- अन्य कार्य जो संस्था के हितार्थ हों, करना।

14. कार्यकारिणी की बैठकें:-

- 1- कार्यकारिणी की वर्ष में कम से कम 5 बैठकें अनिवार्य होंगी लेकिन आवश्यकता होने पर बैठकें अध्यक्ष/मंत्री द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेंगी।
- 2- बैठक का कोरम प्रबन्धकारिणी की कुल संख्या के आधे से अधिक होगा।
- 3- बैठक की सूचना प्रायः 7 दिन पूर्व दी जावेगी तथा अत्यावश्यक बैठक की सूचना परिचालन से तुरंत समय में भी दी जा सकती है।
- 4- कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः दूसरे दिन निर्धारित स्थान व समय पर होगी। ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन विचारणीय विषय चर्चा होंगे, जो पूर्व एजेन्डा में थे। ऐसी स्थगित बैठक में उपस्थित सदस्यों के अतिरिक्त प्रबन्धकारिणी के कम से कम दो पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इस सभा की कार्यवाही की पुष्टि आगामी आम सभा में करना आवश्यक होगा।

15. प्रबन्धकारिणी के पदाधिकारियों के अधिकार व कर्त्तव्य:-

- संस्था की प्रबन्धकारिणी के अधिकार व कर्त्तव्य निम्न प्रकार होंगे:-
- 1- अध्यक्ष:
    - 1- बैठकों की अध्यक्षता करना।
    - 2- मत बराबर आने पर निर्णायक मत देना।
    - 3- बैठकें आहूत करना।
    - 4- संस्था का प्रतिनिधित्व करना।
    - 5- संविदा तथा अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना।
  - 2- उपाध्यक्ष:
    - 1- अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के समस्त अधिकारों का प्रयोग करना।
    - 2- प्रबन्धकारिणी द्वारा प्रदत्त अन्य अधिकारों का उपयोग करना।
  - 3- मंत्री:
    - 1- बैठकें आहूत करना।
    - 2- कार्यवाही लिखना तथा रिकार्ड रखना।
    - 3- आय-व्यय पर नियन्त्रण करना।
    - 4- वैतनिक कर्मचारियों पर नियन्त्रण करना तथा उनके वेतन व यात्रा बिल आदि पास करना।
    - 5- संस्था का प्रतिनिधित्व करना व कानूनी दस्तावेज पर संस्था की ओर से हस्ताक्षर करना।
    - 6- पत्र व्यवहार करना।
    - 7- सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु वैधानिक अन्य कार्य जो आवश्यक हों।

Dr. P. K. Kumar (8)

- 1- उपर्युक्त :
- 1- मंत्री को अनुपस्थिति में मंत्री पद के समस्त कार्य संभालना करना।
- 2- अन्य कार्य जो प्रबन्धकारिणी/मंत्री द्वारा सौंपे जायें।
- 5- कोषाध्यक्ष :
- 1- वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करना।
- 2- दैनिक लेखों पर नियन्त्रण रखना।
- 3- चन्दा/शुल्क/अनुदान आदि प्राप्त कर रसीद देना।
- 4- अन्य प्रदत्त कार्य सम्पन्न करना।

16. संस्था का कोष

संस्था का कोष निम्न प्रकार से संज्ञित होगा:-

- 1- चन्दा
- 2- संस्था का नाम
- 3- शुल्क
- 4- अनुदान
- 5- सहायता
- 6- राजकीय अनुदान

उक्त प्रकार से संचित राशि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में सुरक्षित/रखी जायेगी।  
अध्यक्ष/मंत्री/कोषाध्यक्ष से किन्हीं भी पदाधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षरों से बैंक में लेन-देन संभव होगा।

17. कोष सम्बन्धी विशेषाधिकार

संस्था के हित में तर्कों का एवं व समय की आवश्यकता अनुसार निम्न पदाधिकारी संस्था को राशि एक पुरत स्वयं कृत कर सकेगें:-

- 1- अध्यक्ष 15000/-
- 2- मंत्री 11000/-
- 3- कोषाध्यक्ष 5000/-

उपर्युक्त राशि का अनुमोदन प्रबन्धकारिणी से कराया जाना आवश्यक होगा। अकेल संस्था की नियुक्ति प्रबन्धकारिणी द्वारा की जायेगी।

18. संस्था का अंकेक्षण:-

संस्था के समस्त लेखों-जोखों का वार्षिक अंकेक्षण कराया जावेगा। वार्षिक लेखे रजिस्ट्रार संस्थायें को प्रस्तुत करने होंगें।

19. संस्था के विधान में परिवर्तन :-

संस्था के विधान में आवश्यकतानुसार साधारण सभा के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से परिवर्तन, परिवर्द्धन अथवा संशोधन किया जा सकेगा जो राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा 12 के अनुरूप होगा।

20. संस्था का विघटन :-

यदि संस्था का विघटन आवश्यक हुआ, तो संस्था को समस्त चल व अचल सम्पत्ति समान उद्देश्य वाली संस्था को हस्तान्तरित कर दी जावेगी। लेकिन उक्त समस्त कार्यवाही राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा 13 व 14 के अनुरूप होगी। रजिस्ट्रार संस्थायें को पंजीयन रद्द करने का पूर्ण अधिकार होगा।

21. संस्था के लेखे-जोखे का निरीक्षण :-

रजिस्ट्रार संस्थायें को संस्था के रिकार्ड का निरीक्षण/बॉन करने का पूर्ण अधिकार होगा व उसके दिये गये सुझावों की पूर्ति की जावेगी। प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विधान (नियमावली) संस्था को सही व सच्ची प्रति है।

*Tajpal*  
अध्यक्ष

*[Signature]*  
मंत्री

Ram kushan  
कोषाध्यक्ष